मोहन की छाया | By Gyan Pankaj

मुझे हर कदम पे है मोहन की छाया।
जागे भाग मेरे तुझे मैंने पाया
मुझे हर कदम पे.....

भटकता रहा मैं कहाँ से कहाँ तक
न मंज़िल कोई थी ना साथी मेरा तब
तभी काम मेरे, मेरा श्याम आया
जागे भाग मेरे तुझे मैंने पाया
मुझे हर कदम पे.....

ये बंधन हैं झूठे ये नाते हैं झूठे
जो कहते थे अपना, वो साथी भी झूठे
मुझे सांवरे ने गले से लगाया
जागे भाग मेरे तुझे मैंने पाया
मुझे हर कदम पे.....

ना कहता किसी की ये बातें हैं मेरी
बदल ही गई आज दुनिया ही मेरी
पंकज को अपना दीवाना बनाया
जागे भाग मेरे तुझे मैंने पाया
मुझे हर कदम पे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9b%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-by-gyan-pankaj/